प्रति,

प्राचार्य
शास विश्वनाथ यादव स्नातकोत्तर स्वशासी
महाविद्यालय
दुर्ग छत्तीसगढ़

विषय वेबसंगोष्ठी आयोजन हेतु।

सविनय निवेदन है प्राचीन भारतीय ज्ञान परंपरा पर वेब संगोष्ठी का आयोजन दिनांक 05.06.2021 को किया जाना हैजिसमें
निम्न विद्वानों का व्याख्यान होगा।

1. डॉ. नौनिहाल गौतम गौर सिंग केन्द्रिय वि.वि. सागर,
2. डॉ. बहुरन सिंग पटेल, शास. संस्कृत महाविद्यालय, रायपुर
3. आचार्य धनंजय शास्त्री, गुरूविरजानंद संस्कृत कुलम, नई दिल्ली।

उक्त संगोष्ठी के लिए अनुमति प्रदान करने की कृपा करें।

विभागाध्यक्ष

Principal
Govt.V.Y.T.P.G. Autonomous
College Durg (C.G.)

कार्यालय प्राचार्य

शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)

दिनांक 05/06/2021

सूचना

महाविद्यालय के समस्त छात्र–छात्राओं को सूचित किया जाता है कि संस्कृत विभाग द्वारा दिनाँक 08/06/2021 विषय – भारतीय ज्ञान परम्परा की प्रासंगिकता पर व्याख्यान आयोजित है जिसमें निम्न वक्तागण व्याख्यान हेतु आमंत्रित है –

डॉ. नौनिहाल गौतम केन्द्रीय विश्वविद्यालय सागर (मध्यप्रदेश)

डॉ. बहुरन सिंह पटेल संस्कृत महाविद्यालय (रायपुर)

आचार्य धनंजय शास्त्री जातवेदाः (दिल्ली)

अतः समस्त छात्र–छात्राएं ऑन लाइन लिंक से जुड़े तथा व्याख्यान का लाभ उठायें। लिंक एक दिन पहले भेजा जाएगा।

अध्यक्ष

संस्कृत विभाग

प्राचार्य

शासकीय वि.या.ता.स्नातकोत्तर महाविद्यालय,

दुर्ग (छ.ग.)

Principal
Govt.V.Y.T.P.G. Autonomous
College Durg (C.G.)

भारतीय ज्ञान परंपरा की प्रासंगिकता पर संस्कृत विभाग द्वारा वेब संगोष्ठी का आयोजन

दिनांक 08/06/2021

साइंस कालेज दुर्ग में भारतीय ज्ञान परंपरा की प्रासंगिकता पर संस्कृत विभाग द्वारा वेब संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें संस्कृत के ज्ञान विज्ञान की प्रासंगिकता पर चर्चा की गई।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ आर एन सिंह की प्रेरणा से यह आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कु प्रतीक्षा ठाकुर ने स्वागतगीत प्रस्तुत किया। प्राचार्य का संदेश हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ अभिनेष सुराना ने छात्र छात्राओं को प्रेषित किया। जिसमे संस्कृत भाषा में करियर की संभावना पर बात कही।

इस कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय सागर से डॉ नौनिहाल गौतम आमंत्रित थे तथा अन्य वक्ता के रूप में शासकीय संस्कृत महाविद्यालय रायपुर से डॉ बीएस पटेल एवं गुरु विरजानंद संस्कृतकुलम दिल्ली से आचार्य धनंजय शास्त्री जी आमंत्रित थे। नौनिहाल गौतम जी ने आयुर्वेद के ग्रंथों पर विस्तृत चर्चा की उन्होंने भारतीय जीवन पद्धति को आज के लिए आवश्यक बताया कोरोना महामारी से लड़ने के लिए हमें वैदिक जीवन वैदिक भोजन को अपनाना होगा भारतीय आध्यात्मिक ग्रंथों वेदों पुराणों के उसे बताया कि हमें सर्व के बारे में सोचना चाहिए तभी संसाधन भी कम नहीं होंगे और मनुष्य सुखी रहेगा आचार्य धनंजय जी ने संस्कृत को संस्कृति की भाषा बताया।

कार्यक्रम में बहुत से महाविद्यालय से प्रोफेसर एवम छात्र छात्राओं ने भागीदारी की। कार्यक्रम का संचालन विभागाध्यक्ष प्रो. जनेन्द्र कुमार दीवान ने किया।

विभागाध्यक्ष

Principal
Govt. V.Y.T.P.G. Autonomous
College Durg (C.G.)